

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—सुरह 1 PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

₹10 3}

नई विल्लो, शनिवार, सितम्बर 17, 1983/भाद्र 26, 1905

No. 3;

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 17, 1983/BHADRA 26, 1905

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के इत्य में रक्षा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस्त मंत्रालय (राजस्य विभाग)

कार्यालय, निरीक्षी सहायक भ्रायक रश्रायुक्त, श्रजंन परिक्षेत्र, बिहार

भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269डी॰ (1) के अधीन सूचनाएं पटना, 18 भगस्त, 1983

निदेश सं० III-826/ अर्जन/ 83-84.-- श्रतः मुझे प्रबोध कुमार दूसे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० प्लाट सं०-871,सब प्लाट सं० 871/4, खाता सं० 127 है, तथा जो बरियातु, पो० बरियातु, जिला--रांची में स्थित है और (इससे उपलब्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम-लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसी किसी श्राय वा किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किय। गया था गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति :---

- (1) श्री गिरधर दास कोठारी ्निवासी---कोठारी निवास, पेनु रो**ड**, कलकत्ता
 - . . . (ग्रंतरक)
- (2) श्री नवल किशोर सिंह निवासी----हरिहरसिंह रोड, मोराबादी, जिला--- रांची • • • • • (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्नी में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:--
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो श्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20(क) में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन जिसंका रकका 25 कठ्ठा 2 छटांक है एवं जो बरियातु, पो०---बरियातु जिला---राची में स्थित है ग्रौर पूर्ण रूप से वसिका संख्या-[-11045 दिनांक 22-12-82 में .. वर्णित हें एवं सब रजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83

मोहर

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bihar

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-826|Acq|83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871 Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than tifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or.
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R|o. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
 - · · · · · (Transferer)
- (2) Shri Nawal Kishore Singh, Rlo. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi. (Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 23 Kathas 2 Chatak situated at Bariatu. P.O. Baritau, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11045 dated 22-12-82 registred with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date: 18-8-83 Seal: Stamped

निवेश सं० III-827/श्रर्जन/83-84.--- ग्रत: प्रयोध कुमार दुवे, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्ब श्रीधनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुह्य 25,000 ६० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भार एसंव प्लाट संव-871, सब प्लाट संव 871/1, खाता सं०-127 है, तथा जो बरियातु, पो०-बयातु, जिला-- रांची में स्थित है फ्रीर (इससे उपलब्ध अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकत्ती श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के फर्धान तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए प्रतिरिक्त की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृशमान प्रतिकल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रंतरिती (श्रं*ी*रतियों) के बीच

ऐसे श्रन्तं रंग के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं श्रन्तरमिलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) को श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था बचने में सुविधा के लिए श्रीर/धा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकः श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय श्रन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए घतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 (ष) की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत्:--
- (1) श्री गिरधर दास कोठरी निवासी--कोठारी निवास, पेनुरोड,कलकत्ता(श्रंतरक)
- (2) श्री राजकुभारसिंह निवासी--हरिहरसिंहरोड,मोरावादी,जिला--रांची(ग्रांतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:--
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रवीहरूनाक्षरी के पास लिखित में दिए जा सक्षेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का जो श्रायंकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20(क) में मिरिशाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्र<u>न</u>सूची

खुली जमीन जिसका रकवा 20 कट्ठा है एवं जो वरियातु, पो०] वरियातु, जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से वसिका संख्या-I-11046 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब-रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेंसेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

Ref. No. 1II-827 Acq 83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871|1, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, R|O. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.
 - ·····(Transferer)
- (2) Shri Raj Kumar Singh, R.O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi.
 (Transferer)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be mode in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Baraitu P.O. Baraitu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11046 dated 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurance at Calcutta.

Date: 18-8-83

Seal

प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000 ए० से अधिक है और जिसकी सं० आर० एस० प्लाट सं०-871, सब प्लाट सं०-371/6, खाता सं०-127 है, तथा जो विस्त्रातु, पो-बरियात्, जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम वृजमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वंशमान प्रतिफल से, ऐस वृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती [अतिरितियों] के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरभलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन कर दें। के अन्ताक के दादिस्य में कमी करों या बचार में सुविधा के लिए और/दा

- (ख) ऐसी किसी आप किसी धर्म या अन्य अस्तियां कां अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [1922 का 11], आदकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] ता धनकर अधिनियन, 1957 [1957 का 27] के प्रशाननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था: छिपाने में मुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम को धारा 269 (गो के अनुकरण में, मों उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उनवास (1) के अग्रोन, निमानिखित व्यक्तियां, अर्थातः--
 - (1) श्री गि अरदास काठारी, निशासी-- "कोठारी निशस," पेनु रोड, कलकत्ता । (अन्तर्क)

(2) श्री विजय कुमार सिंह निवासी--हरिहर सिंह राड, मौराबादी, जिला--राँची (अंतिःतिः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यव हिथां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संत्रति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्या: 20(क) में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्सूची

खुली जमीन जिसका रकबा 22 कट्ठा 3 छटाँक है एवं जो द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83 मोहर

बरियात, पो०--बरियातु, जिला--ाँची में स्थित है और पूर्ण रूप से विसका संख्या I -11050 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार ऑफ एल्येरिन्सेज कलकत्ता के

Ref. No. III-828 Acq 83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871 6, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Girdhar Das Kothari, Ro. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.

(Transferer)

(2) Shri Vijay Kumar Singh, R.O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be mode in writing to the undersigned:-

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 22 Kathas 3 Chatak situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11050 dated 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Dated: 18-8-83

Seal

पटना, 17 अगस्त, 1983

निवेश सं० III-833/अर्जन/83-84 :--अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे निरीक्षी सहायक आयक्तर आयक्तप्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त अधिनियम कहा आए $_{
m HI}$) की धारा 269 $({
m I})$ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ६० से अधिक है और जिसकी सं० थाना नं० 137 वार्ड नं० 2 सर्किल नं० 9 तौजी नं० 205 खाता नं० 72 प्लोट नं० 1168 है, तथा जो सालिम पुर अहरा-पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधि-कारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिक्तिकी गई है और मुझे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित वाजार मृत्य, उसके दुशमान प्रतिफल, से ऐसे दूशमान प्रतिफल के पनप्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंति-रितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तब नापा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरभीलिखित में वास्तिधक रूप से कथित से नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 बा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किता गता था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) केअनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अयीन्:—

- (1) श्रीमती कलावती देवी लड़की राय विभुवन नाय सहाय और पत्नि घनश्याम बहादूर-सम्भू नाथ वकील के निवास स्थान के नज-दीक, राड नं 2, सालिम पुर अहरा, पटना। (अन्तर्रा)
- (2) श्री पुनस चन्द एमं मेहता 2. रमेश चन्द्र एमं सेहता 3. प्रवीण चन्दर एस मेहता 4 विनोद कुमार एमं मेहता पशरान मनसुख लाल जै मेहता विश्वाती— मुहल्ला लालजी टोला, थाना—गाँधी मैदान पटना । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्मत्ति **के** अर्जन <mark>के सम्बन्ध</mark> में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचता के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में दिए जा सकेंगें।

स्वर्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**नु**सूची

जमीन असका रकबा 3630 वर्गगज एवं जो सालिम पुर अहरा पो० वा जिला—पटना में स्थित है और पूण रूप से वसिया संख्या-11029 दिनांक 23-12-82 में वर्णित है। एवं जिसका निबंध जिला अधर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

तारिक 17-8-83

मोहर

Patna, 17th August, 1983

Ref. No. III-833 Acq 83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being

the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing than No. 137 Ward No. 2, Circle No. 9, Tauzi No. 205, Khata No. 72 M. S. Plot No. 1168, situated at Salimpur Ahra, Patna, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Patna on 23-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or they wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kalawati Devi Do Rai Tribhuwan Nath Sahay and Wo Ghanshyam Bahadur near the residence of Shri Shambhu Saran, Advocate Road No. 2 Salimpur Ahra, Patna.

(Transferer)

(2) Shri Punam Chand M. Mehta (2) Ramesh Chandar M. Mehta, (3) Praveen Chandar M. Mehta (4) Vinod Kumar M. Mehta all sons of late Mansukh Lal J. Mehta Rlo. Mohalla Lalji Tola, P.S. Gandhi Maidan, Patna I.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3630 Sqr. ft. situated at mohalla Salimpur Ahra P.O. & District Patna and morefully described in deed No. 11029 dated 23-12-82 registered with D.S. R. Patna.

Date: 17-8-1983

Seal

पटना, 18 आगस्त, 1983

निवेश सं । III-831/अर्जन/83-84. —अत: सुझे प्रबोध कुमार ब्बे निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उका अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वासकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० आर ०एस० प्लाट सं० 871, सब प्लाट मं० 871/2, खाना सं**०** 12**7** है, तथाजो बरियातु, पो० वरियातु, जिला—रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-क्ररण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास छरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में बास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया ਲੈ :---

(कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का H) ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अनः अब उनत अधिनियम की धारा 296 (ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
 - (1) श्री गिरधर धास कोठारी निवासी —कोठारी निवास, पेनु रोड, कलकत्ता (अन्तरक)
 - (2) श्री शिवकुमार सिंह..... निवासी—हरिहर सिंह रोड, मोराबादी, जिला-रांची (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं: उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्ती में प्रकाशन की नारील के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:---
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रक्षा 20कठठा है एवं जो बरियातु, पो-बरियातु, जिला-रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से विसका संख्या-I-11044 दिनांक 22-12-82 में वर्णित है एवं सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलक्षता के द्वारा पंजीकृत है।

तारीख 18-8-83

मोहर

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-831 Acq 83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871|2, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liablity of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) Shri Girdhar Das Kothari, Ro. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.

 (Transferer)
- (2) Shri Sheo Kumar Singh, R.O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi. (Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections If any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter

XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11044 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date: 18-8-83 Seal: Stamped

निदेश मं० III-83 0/अर्जन/83-84:--अत: मझे प्रबोध कुमार दुवें निरीक्षी सह।यक आयकर आयक्त ऋर्जन बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (1) के अधी: मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 हु० से अधिक है और जिसकी सं० आर. एस. प्लाट सं० 871, सब प्लाट सं० 871/3. खाता मं० 127 है तथा जो वरियातु पो० वरियातु, जिला-रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 22-12-82 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीवन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रति-फल से, ऐसे दुशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) क्ष बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल निम्त-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमिलिखित में वास्तिवितः रूप में कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावा, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन बार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का II) ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट ्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए अनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथिन :——.
 - (1) श्रो गिरधर दास कोठारो निवासी-"कोठारी निवास", पोनु रोड्, कलकला (अन्तरक)

(2) श्री क्रज मोहन कुमार खिह निवामी-हरिहर सिंह रोड, मोशवादी, जिला-रांची (अंगिला)

को यह सूचना जारी करके पूर्विका सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं। उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिय:——

- (क) इस सूचता के राज्यत्व में प्रकाणत की तारोख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियोगर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जी भी अवधि बाद में सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा:—
- (ख) इस सूचना के राजिश्व में प्रकाण की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखिन में दिए जा सकेंगे।

स्पन्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्जी

खुर्ला जमीन जिसका रक्षवा 20 बद्ठा है एवं जो बरियातु पो०-बिर्यातु, जिला-रार्चा में स्थित है और पूर्ण छए से विसका संख्या I-11052 दिनांक 22-12-82 में विणित है एवं सब रिजस्ट्रार ऑक एस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है। तारीख 18-8-83

Ref. No. III-830|Acg|83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R. S. Plot No. 871, Sub-Plot No. 871/3, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay taxunder the said Act in respect of any income arising from the transfer and or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Girdhar Das Kothari, R.O. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.

(Transferer)

(2) Shri Brij Mohan Kumar Singh, R|O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open land measuring 20 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. I-11052 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date: 18-8-83 Seal: Stamped

निवेश हो III-829/अर्जन/83-84 :—अतः मुझे प्रवोध कुमार धूबे निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र,

बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4ू जिससे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 हुए में अधिक है और जिसकी सं० आर०एस० प्लाट सं० 871, सब-प्लाट सं० 871/5, खाता सं० 127 है तथा जो बरियातू, पो० बरियातू, जिला रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दुशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दुणमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐ.सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 145 (1957 का 27) के प्रायजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ष) की अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269(ष) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
- (1) श्री गिरधर दास कोठारी,निवासी-कोठारी निवास, पेनु रोड, कलकत्ता ।(अन्तरक)
- (2) श्री अभय कुमार सिंह निवासी-हरिहर सिंह रोड, मोराबादी, जिला रांची (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा— (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में दिए जा गकेंगे।

स्पर्ध्टाकरण:—इसमें प्रयुवन णव्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

खुली जमीन जिसका रकवा 23 कट्ठा है एवं जो बिरयातु, पो० बिरयातु, जिला रांची में स्थित है और पूर्ण रूप से बिसका संख्या-I-11051 दिनांक 22-12-82 में बिणित है एवं सब रिजस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

वारी**ख** : 18-8-83

मोहर :

Ref. No. III-829 Acq 83-84.—Whereas, I, P.K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing R.S. Plot No. 871, Sub Plot No. 871 5, Khata No. 127 situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist. Ranchi (and) morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 22-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the

issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Girdhar Das Kothari, Ro. "Kothari Niwas", Penu Road, Calcutta.

(Transferer)

(2) Shri Abhay Kumar Singh, R|O. Harihar Singh Road, Morabadi, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Open Iand measuring 23 Kathas situated at Bariatu, P.O. Bariatu, Dist, Ranchi and morefully described in deed No. I-11051 date 22-12-82 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

Date: 18-8-83 Seal: Stamped

पटना, 17 अगस्त, 1983

निदेण सं० III 835/अर्जन/83-84 :—अत: मुझे प्रबोध कुमार दूबे निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से अधिक हैं और जिसकी संख्या थाना नं० 3, तौजी नं० 320 खाता नं० 429, वार्ड नं० 15, एम०एस० प्लाट नं० 2315 है, तथा जो मौजा सैदपुर, मौहल्ला रामपुर सैदपुर, परगना अजिमाबाद थाना सुलतान गंज जिला पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिक

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश-मान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमिलिखत में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में मुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान् :—
- (1) श्रीमती निर्मला देवी जीजे, डा० विजय सिंह निवासी सीहानीपुर थाना कदम कुआं, जिला पटना (अंतरक)
- (2) श्रीमती डा० कमला अचारी जींजे डा० गोविन्द अचारी निवासी राजेन्द्र नगर, रोड नं० 10 क्वाटर नं० 21/ डी थाना कदम कुआं, जिला पटना (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '——

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख़ के 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त मान्दों और पदों को जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका रकबा 4 कट्टा 10 धूर एवं जो मौजा सैदपुर मुहल्ला रामपुर सैदपुर प्रगना अजिमाबाद थाना सुलतान गंज जिला पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से विसका संख्या 10774 दिनांक 15-12-82 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

तारी**ख**: 17-8-1983

Patna, the 17th August, 1984

III-835 Acq 83-84.—Whereas, P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing thana No. 3, Touzi No. 320, Khata No. 136, Khasra No. 429, Ward No. 15 M. S. Plot No. 2315, situated at Mauza Saidpur, Mohalia Rampur Saidpur, Pargana Azimabad, P.S. Sultanganj, P. (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Patna on 15-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1975).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Nirmala Devi w/o Dr. Vijay Singh, R/o Lohanipur P.S. Kadamkuan, Distt. Patna. (Transferer)

(2) Shrimati Dr. Kamla Achari W/o Dr. Govind Achasi, Resident of Rajindra Nagar, Road No. 10 Qr. No. 21/D P.S. Kadamkuan, Distt., Patna.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 10 Dhur situated at mauza Saidpur Mohalla Rampur Saidpur Pragana Azimabad P.S. Sultanganj District Patna morefully described in deed No. 10774 dated 15-12-82 registered with D.S.R., Patna.

Date: 17-8-1983.

Seal:

निदेण सं० III 834/अर्जन/83--84:--अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का (43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (i) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश-वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० ानं० 137 वार्डनं० 2 सिंकल नं०, 9 तोजी नं० 205 खाता 72 प्लाट न० 1168 है, तथा जो सालिम पुर अहरा ा में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में र्राजम्ट्रीकरण ब्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-12-82 की पूर्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म कम दुणमान प्रतिफल लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुशमान प्रतिफल से, ऐसे दुशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमलिखित में बास्तविक रूप से कथित से नही किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में मूर्विधा के लिए और_।या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—
- (1) श्रीमती कलावती देवी लड़की राय व्रिभुवन नाथ सहाय और पत्नी घनश्याम बहादुर णम्भू नाथ वकील के निवास स्थान के नजदीक, रोड़ न० 2, सालिम पुर अहरा, पटना

(अन्तरक)

(2) श्री दल सुख राय ए० साह पिता स्व० ए०के० साह निवासी सालिम पुर अहरा थाना गांधी मैदान पो० कदम कुआं जिला पटना (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मृचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुवन शन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमु**ची**

जमीन जिसका रकवा 4374 वर्ग गज है एवं जो मालिम पुर अहरा पोस्ट वा जिला पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 27-12-82 वाले बिक्षी दस्तावेज नुरु 11090, में दिया गया है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

नारीख: 17-8-1963

मं/हर

Ref. No. III-834/83-84/Acq.—Whereas, I, P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Thana No. 137 Ward No. 2, Circle No. 9, Touzi No. 205, Khata No. 72, M.S. Plot No. 1168; situated at Salimpur Ahra, Patna (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 27-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Kalawati Devl, D/o. Rai Tribhuwan Nath Sahay and W|o Ghanshyam Bahadur near the residence of Shri Shambhu Saran. Adv., Road No. 2, Salimpur Ahra, Patna. (Transferer)

Sr. Dalsukh Rai A. Sah, So Late Sri A.J. Sah, At: Salimpur Ahra, P.S. Gandhi Maidan P.O. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) objections if any, to

the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4474 sq. ft. situated at Mohalla Salimpur Ahra, P.O. & P.S. Dirtrict Patna and morefully described in Deed No. 11090; dated 27-12-1982 registered to D.S.R., Patna.

Date: 17-8-1983.

Seal:

पटना, 18 अगस्त, 1983

निदेश सं० गा-832/अर्जन/83-84:--अतः मुझे प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269 (i) के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०एस० प्लाट सं०-1349,1350, 1351 एवं 1352, हा० सं०-738 एवं 739, वार्ड सं०-7 (पुराना) है, तथा जो लालपूर चौक, पेट्रोल पस्प के बगल में पो. लालपुर, जिला - रांची में स्थित हैं (और इससें उपलब्ध अन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सौची में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-12-82 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रति-फल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नीपा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर-मिलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत, आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या वचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---
- (1) श्री मुधीर चन्द्र राय, वल्द स्व० प्रमोद चन्द्र राय निवासी लालपुर चौक, पो० लालपुर, जिला-रांची

(अन्तरक)

- (2) श्री कम्तुर चन्द्र मर्मा, बल्द स्थ० सूरजमल गर्मा निवासी लालपुर,पो० लालपुर जिला रांची (अन्तरिनी) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :--
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में दिए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**मु**सूची

चार कट्ठा चौदह छटांक जमीन मय एक मंजिला मकान के जो लालपुर चौक, पेट्रोल पम्प के बगल में जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्णक्षेण वसिका संख्या 10340, दिनांक 21-12-82 में विणित है और जिला-अवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

तारीखः 18-8-83 मोहरः

Patna, the 18th August, 1983

Ref. No. III-832 Acq 83-84.—Whereas, I. P. K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing M. S. Plot Nos. 1349, 1350, 1351 & 1352, H. Nos. 738 & 739, Ward No. 7 (Old) situated at Lalpur Chowk, Beside Petrol Pump, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi, (and the morefully described in schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 21-12-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sudhir Chandra Roy S/o Late Pramode Chandra Roy. R/o Lalpur Chowk, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi.

(Transferer)

(2) Shri Kastur Chand Sharma S/o Late Surajmal Sharma, R/o Lalpur, P.O. Lalpur, Distt. Ranchi. (Transferee)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property) objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days

from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 14 Chatak with single storeyed structures situated at Lalpur Chowk, beside Petrol Pump, P.O. Lalpur. Distt. Ranchi and morefully described in deed No. 10340 dated 21-12-82 registered with D.S.R. Ranchi.

Date: 18-8-1983.

Seal:

निदेश सं० III-836/अर्जन/83-84:--अतः मुझे प्रबोध कमार दुवे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चान् उक्त अधिनियस कहा जाएगा) की धारा 269 (I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000 ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि बसिका संख्या-16658 दिनांक 4-12-82 में विणित है, तथा जो मोजा वैजला, नेकरा एवं तेतरी, थाना-सासाराम, जिला रोहनाम में स्थिन है (और इसमे उपलब्ध अन्यूची में और पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतास (सासाराम) में र्गजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख 4-12-82 की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार सुल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संस्पत्ति का उचित बाजार भत्य, उसके दुशमान प्रतिकल से, ऐसे दुशमान प्रतिकल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रंतरिनी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त अन्तर्मलिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई आय किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती

द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:—

- (1) श्री/हरिण चन्द्र जैसवाल वन्द-श्री गोखुल चन्द्र जैसवःल निवासी-मोहत्ला-करन सराय, पो० साक्षाराम, जिला रोहनाम (अन्तरक)
- (2) (1) श्री मधेण्वर सिंह वल्द श्री रात्रा सिंह (2) श्री महेन्द्र कुमार वल्द श्री राम अणिष सिंह दोनों निवासी चन्दनपुरा, पो० तोरनी, जिला राहनाम (अंतरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) 1/8 वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मणीन के जो मौजा वैजला, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिसमिल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा नेकरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहनान में कित है।
- (3) 1/8 वां हिस्सा, 1,16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेतरी, थाना-सामाराम जिला-रोहनाम में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूप से बिसका संख्या 16658 दिनांक 4-12-82 में विणित हैं एवं जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रोहनास, सासाराम के द्वारा पंजीकृत है।

नःरोखः 18-8-83

मोहर

Ref. No. III-836|Acqq|83-84,—-Whereas, I, P.K. Dubey, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16658 dt. 4-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Distt. Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtas (Sasaram) on 4-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish Chandra Jaiswal S|o Sri Gokhul Chandra Jaiswal, R|o-Mohalla-Karan Sarai, P.O.-Sasaram, Dist. Rohtas. (Transferer)
- (2) Shri Maheswar Singh Soo Sri Radha Singh, Shri Mahendra Kumar Soo Sri Ram Ashish Singh. Both Ro-Chandan-pura, P.O.-Torni, Dist. Rohtas.

(Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be mode in writing to the undersigned:—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette 750 GI/83-3

- or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

- 1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas.
- 2. 1|8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.
- 3. 1/8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas, and all morefully described in deed No. 16658 dt. 4-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram. Dated 18-8-83 (Seal)

निदेश सं० III-837/अर्जन/83-84-- अतः मुझे प्रबोध कुमार दबे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की घारा 269(I) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं॰ जैसा कि वसिका संख्या-16787 दिनांक 9-12-82 में वर्णित है, तथा जो भौजा—बेजला, नेकरा एवं तेतरी, थाना-सासाराम, जिला रोहतास में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दी-कर्ता अधिकारी के कार्यांत्रय रोहतास (सासाराम) में रजिस्ट्री-अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-12-82 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बीजार मल्यं से कम दूशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरलिखित में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) गया आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुक्ररण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 (घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
- (1) श्री चन्द्रकान्ता जैसवाल वल्द श्री गोकुलचन्द जैसघाल निवासी-मुहल्ला करन सराय पो०-सासाराम, जिला-रोहतास

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री सुनील कुमार सिंह वल्द श्री राम नगीना सिंह
 - (2) श्री मुन्द्रिका सिंह बस्द श्री राधा सिंह, दोनों निवासी—चन्दनपुरा पो० तोरनी, जिला-रोहतास (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:--
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) 1/8वां हिस्सा 3.55 एक इ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बेजला, याना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिसमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मगीन के जो मौजा तेकरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

(3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मणीन के जो मौजा तेतरी थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

और जो सभी पूर्ण रूप से विसका संख्या 16787 दिनांक 9-12-82 में वर्णित है जिला अवर निबंधक पदाधि-कारी रोहतास, सासाराम के द्वारा पंजीकृत है। दारीख 18-8-83 मोहर

Ref. No. III-837|Acq|83-84.—Whereas I, P. K. Dubey Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16787 dt. 9-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Dist. Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtas (Sasaram) on 9-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandra Kant Jaiswal S|o. Sri Gokhul Chandra Jaiswal, R|o-Mohalla-Karan Sarai, P.O. Sasaram, Dist. Rohtas. (Transferer) (2) Shri Sunil Kumar Singh S/o Sri Ram Nagina Singh, Shri Mundrika Singh S/o Sri Radha Singh, Both R/o-Chandanpura, P.O. Torni, Dist.-Rohtas. (Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be mode in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—
- (b) By any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

- 1. 1/8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.
- 2. 1/8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P. S.-Sasaram, Dist.-Rohtas.
- 3. 1/8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S.-Sasaram, Dist.Rohtas. and all morefully described in deed No. 16787 dt. 9-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram.

निवेश सं० III-838/अर्जन/83-84:— अतः मुझे प्रकोध कुमार दुवे, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा जाएगा) की धारा 269(i) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ६० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि विसका संख्या-16957 दिनांक 18-12-82 में विणत है, तथा जो मौजा बेजला, नेकरा एव तेतरी, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतास (सासाराम) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-12-82

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृशमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और यह मुझे निग्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृशमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरमिलिखत में वास्तविक रूप से कथित से नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का II) ग या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 145 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
- (1) श्री हरिशचन्द्र जैसवाल वल्द स्व० गोखुल चन्द्र जैसवाल निवासी मोहल्ला-करण सराय, पो०-सासाराम, जिला-रोहतास (अन्द्ररक)
- (2) (1) श्री अशोक कुमार सिंह वल्द श्री राम नगीना सिंह
 - (2) श्री ध्रुव नारायण राय वल्द स्व० राधा सिंह वोनों निवासी-चन्दनपुरा, पो० तोरनी, जिला-रोहतास (अंसरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:—
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण में प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) के अध्याय 20 (क) में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (1) 1/8वां हिस्सा 3.55 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा बैजला, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (2) 1/8वां हिस्सा 30 डिसमल जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा नेकरा, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।
- (3) 1/8वां हिस्सा 1.16 एकड़ जमीन का जिस पर एक चावल मिल मय मशीन के जो मौजा तेतरी, थाना-सासाराम, जिला-रोहतास में स्थित है।

और जो पूर्ण रूप से विसका संख्या-16957 दिनांक 18-12-82 में वर्णित है एवं जिला अवर निबंधक पदाधिकारी रोहतास, सासाराम के द्वारा पंजीकृत हैं।

> प्रबोध कुमार दुवे, सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिस्नेत बिहार, पटना के०आर० राघवन, अपर सचिव

Ref. No. III-838 Acq 83-84.—Whereas, I, P. K. Dubbey Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the competent authority under section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing as described in deed No. 16957 dt. 18-12-82 situated at Mouza Baijla, Nekra and Tetari, P. S. Sasaram, Dist.Rohtas, (and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtas (Sasaram) on 18-12-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harish Chandra Jaiswal Slo Late Gokhul Chandra Jaiswal, Rlo-Mohalla-Karan Sarai, P.O.-Sasaram, Dist.-Rohtas. (Transferer)
- (2) Shri Ashok Kumar Singh Soo Sri Ram Nagina Singh, Shri Dhrub Narain Rai Soo Late Radha Singh, Both Ro-Chananpura, P.O.-Torni, Dist.Rohtas. (Transferee)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property). Objections if any, to the acquisition of the said property may be mode in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.—
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.
- EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in this chapter.

SCHEDULE

- 1. 1|8th of 3.55 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Baijla, P. S.-Sasaram, Dist.-Rohtas.
- 2. 1/8th of 30 decimals land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Nekra, P.S. Sasaram, Dist. Rohtas.
- 3. 1|8th of 1.16 Acres land and Rice Mill with machineries installed thereon, situated at Mouza Tetari, P.S.-Sasaram, Dist.Rohtas, and all morefully described in deed No. 16957 dt. 18-12-82 registered with D.S.R. Rohtas, Sasaram.
 - P. K. DUBEY, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acq. Range, Patna.

K. R. RAGHAVAN, Addl. Secy.